भजन

तर्ज– तेरी दुनिया में दिल लगता नहीं

तेरी माया में दिल लगता नहीं हमको छुड़ा ले
मेरे प्रीतम तरस मेरी बिगड़ती हालत पे खा ले

1– बहार आई तो बस बृज में,रही जो रास तक थोड़ी
मगर अब दुनियां ने तो इश्क ईमान के पर नोंच डाले

2– भंवर में हैं फंसी अंगना का दिल अश्कों में डूबा
यहां पर कौन है आंसू हमारे जो पोंछ डाले

3– तेरी मर्जी जो यह ही है तो हम यूं ही गुजारेंगे
न शिकवा लब पे लायेंगे छुपा लेंगे दिल के छाले

4– मेरी आहें मेरे नाले मुझे ही राख करते हैं
तुझे फुर्सत है तो आ के मुझे गले से लगा ले

5– मेरे महबूब निसवत है मेरी तुमसे तुम आ जाओ
तेरी निसवत का तुझको वास्ता निसवत को अपना ले